RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 09 अंक-51 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 27 दिसम्बर से 02 जनवरी 2023 पृष्ठ-8 मूल्य -2

आगरा के बाद बिहार के गया में कोरोना की एंट्री, विदेश से आए 4 लोग कोविड पॉजिटिव

बिहार के गया में चार कोरोना संक्रमित मिले हैं. गया एयरपोर्ट पर ऋञ्जक्कञ्ञऋजांच के दौरान इंग्लैंड और म्यांमार से आए चार पर्यटक कोविड संक्रमित मिले हैं. इसके बाद गया का स्वास्थ्य महकमा अलर्ट मोड में आ गया है.

उत्तर प्रदेश के आगरा में चीन से लौटे शख्स के कोरोना पॉजिटिव मिलने से हड़कंप मचा ही था कि अब बिहार के गया में चार संक्रमित मिले हैं. गया एयरपोर्ट पर ऋञ्जक्कञ्ञऋजांच के दौरान इंग्लैंड और म्यांमार से आए चार पर्यटक कोविड संक्रमित मिले हैं. इसके बाद गया का स्वास्थ्य महकमा अलर्ट मोड में आ गया है. इन चारों पर्यटकों के संपर्क में आये लोगों का कोविड टेस्ट किया जा रहा है.

गौरतलब है कि गया में दो दिवसीय बौद्ध सेमिनार होने वाला है. इस सेमिनार में दलाई लामा भी हिस्सा लेंगे. सेमिनार में विश्व के कई कोनों से बौद्ध भिक्षु आ रहे हैं. इस वजह से गया एयरपोर्ट पर विदेश से आने वाले लोगों का कोविड टेस्ट किया जा रहा है. इसी टेस्ट के दौरान चार पर्यटक कोरोना संक्रमित मिले हैं, जिसके बाद से हड़कंप मच गया है.

गया के डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि गया एयरपोर्ट पर 20 दिसंबर को बैंकॉक से आए विमान पर सवार यात्रियों की कोरोना की जांच आरटीपीसीआर कराई गई थी, जिसकी रिपोर्ट रविवार को आई, इनमें से तीन कोरोना संक्रमित मिले, तीनों इंग्लैंड के रहने वाले हैं, जिन्?हें बोधगया के एक होटल में होम आइसोलेट कर दिया गया है.

डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने बताया कि म्यांमार से आया एक विदेश पर्यटक भी कोरोना संक्रमित मिला है, जो गया से पटना जाकर दिल्ली रवाना हो गया है, उसकी तलाश की जा रही है. डीएम डॉ. त्यागराजन एसएम ने लोगों से कोरोना नियमों का पालन करने की अपील की है. उन्होंने कहा कि मास्क और सोशल डिस्टेंसिंग के नियम का पालन जरूर करें.

ऐसे गिरफ्त में आया नकल गिरोह- बस पर थी पल-पल निगरानी, कभी शराबी तो कभी स्टूडेंट बने पुलिसकर्मी

प्रतियोगी परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों को आघात पहुंचाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करके उदयपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। समय पर पुख्ता सूचना पर पुलिस टीमें पीछे लगी रही। रात 8 से तड़के 4 बजे बस को कब्जे में लेने तक पुलिस का काम सराहनीय था।

प्रतियोगी परीक्षा में लाखों अभ्यर्थियों को आघात पहुंचाने वाले गिरोह का पर्दाफाश करके उदयपुर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है। समय पर पुख्ता सूचना पर पुलिस टीमें पीछे लगी रही। रात 8 से तड़के 4 बजे बस को कब्जे में लेने तक पुलिस का काम सराहनीय था। रात आठ घंटे तक पुलिसकर्मी आरोपी, अभ्यर्थी और उनकी बस पर पल-पल निगरानी रखे रहे। इस बीच सादे वस्त्रों में पुलिसकर्मी इर्द-गिर्द मंडराते रहे। पुलिसकर्मी कभी शराबी तो कभी एक आम अभ्यर्थी होने का स्वांग रचे नजर आए। इसी का नतीजा था कि आरोपियों को पुलिस की निगरानी का आभास नहीं हुआ और आखिर वे गिरफ्त में आ गए।एसपी विकास शर्मा ने बताया कि सांचौर की बस उदयपुर में होना और उसमें नकल गिरोह का खेल चलने की सूचना मिली थी। पहले बस को ढूंढना चुनौती थी, लेकिन टीम ने बस को खोज निकाला। सुखेर में पुलिसकर्मी एक आम अभ्यर्थी की तरह सड़क पर खड़े रहकर बस पर नजर बनाए रहे। इसके बाद उदयपुर से सिरोही तक पुलिस की तीन टीमों ने बस का पीछा किया।

पुलिस की एक गाड़ी बस से 200 मीटर, दूसरी 400 मीटर और तीसरी 500 मीटर की दूरी पर चलती रही। तीनों वाहनों में सवार पुलिसकर्मी एक-दूसरे से मोबाइल पर संपर्क बनाए रहे, वहीं पूरी कार्रवाई के दौरान एसपी व अन्य पुलिस अधिकारी भी संपर्क में रहे। उदयपुर से सिरोही के बीच बस को दो जगह होटल पर रोका गया। इस दौरान भी पुलिसकर्मी शराबी की तरह डोलते रहे। इस बीच उन पर आरोपियों की नजर भी पड़ी, लेकिन हाथ में बोतल और गिलास देखकर आरोपी भी शराबी ही समझ बैठे।

हाईकोर्ट ने तेलंगाना विधायक खरीद-फरोख्त केस CBI को ट्रांसफर किया, SIT जांच पर लगाई रोक

हैदराबाद - तेलंगाना हाईकोर्ट ने राज्?य में विधायकों की खरीद-फरोख्?त का मामला सीबीआई को सौंपने का आदेश दिया है. इसके साथ ही HC ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले की जांच कर रहे राज्य की ओर से नियुक्त SIT की तफ्तीश पर भी रोक लगा दी है. बीजेपी नेता और एडवोकेट रामचंद्र राव ने मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हम फैसले का स्वागत करते हैं. गौरतलब है कि टीआरएस के विधायक पायलट रोहित रेड्डी समेत चार विधायकों ने 26 अक्टूबर को तीन लोगों रामचंद्र भारती, नंद कुमार और सिम्हाजी स्वामी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी. रेड्डी ने आरोप लगाया कि आरोपितों ने उन्हें निष्ठा बदलने के लिए सौ करोड़ रुपये की पेशकश की थी. भाजपा नेता और अधिवक्ता रामचंद्र राव ने अदालत के फैसले पर कहा है कि हम फैसले का स्वागत करते हैं.

गौरतलब है कि अदालत का फैसला इस घटना के खुलासे के 2 महीने बाद आया है. जिसमें साइबराबाद पुलिस ने चार विधायकों को 100 करोड़ रुपये में खरीद कर सत्तारूढ़ बीआरएस सरकार को गिराने की साजिश का पर्दाफाश करने का दावा किया था. तंदूर विधायक रोहित रेड्डी, जिन्होंने पक्ष बदलने के लिए पैसे की पेशकश करने का दावा किया था, का कहना है कि केंद्रीय एजेंसियों का उपयोग करके उन्हें डराने और धमकाने का प्रयास किया जा रहा है, भले ही यह अब तक एक राज्य द्वारा नियुक्त विशेष जांच दल था जो मामले की जांच कर रहा था.मुख्यमंत्री केसीआर ने भी आरोप लगाया था कि भाजपा उनकी सरकार को गिराने की कोशिश कर रही थी. वहीं बीजेपी ने आरोप लगाया था कि %पोचगेट% मामले को तेलंगाना के मुख्यमंत्री द्वारा प्रबंधित किया गया था, साथ ही बीजेपी ने मामले के तीन आरोपियों के साथ किसी भी तरह के संबंध से इनकार किया था.

वीर बाल दिवस- औरंगबेज पर क्या बोले पीएम मोदी?

गुरु गोबिंद सिंह जी के छोटे साहिबज़ादों, बाबा ज़ोरावर सिंह और बाबा फ़तेह सिंह और माता गुजरी के असाधारण साहस और बलिदान को याद करते हुए भारत सरकार 26 दिसंबर को दिल्ली सहित देश-विदेश में वीर बाल दिवस मना रही है.

इस कार्यक्रम में खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी मौजूद रहे. कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी लगभग तीन सौ बाल कीर्तनियों द्वारा प्रस्तुत किए गए शबद कीर्तन में भी शामिल हुए.

वीर बाल दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा, वीर बाल दिवस हमें याद दिलाएगा कि शौर्य की परकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती. वीर बाल दिवस हमें याद दिलाएगा कि दस गुरुओं का योगदान क्या है? देश के स्वाभिमान के लिए सिख परंपरा का बलिदान क्या है? वीर बलिदान दिवस हमें बताएगा कि भारत क्या है? भारत की पहचान क्या है?

उन्होंने कहा, औरंगजेब के आतंक के खिलाफ गुरु गोबिंद सिंह जी पहाड़ की तरह खड़े थे, लेकिन ज़ोरावर सिंह साहब और फ़तेह सिंह साहब, जैसे कम उम्र के बालकों से औरंगबेज और उसकी सल्तनत की क्या दुश्मनी हो सकती थी. दो निर्दोष बालकों को दीवार में जिंदा चुनवाने जैसी दरिंदगी क्यों की गई.

वो इसलिए क्योंकि औरंगबेज और उसके लोग गुरु गोबिंद सिंह के बच्चों का धर्म तलवार के दम पर बदलना चाहते थे. जिस राष्ट्र में उसकी नई पीढ़ी जोर जुर्म के आगे घुटने टेक देती है उसका आत्मविश्वास और उसका भविष्य अपने आप मर जाता है.

सम्पादकीय

न्याय बनाम अन्याय

किसी विवाद या अन्याय की स्थिति में व्यक्ति इंसाफ के लिए न्यायालय की शरण में जाता है। अदालतों में बैठे न्यायाधीश तथ्यों, तर्कों और सबूतों के आधार पर मामले में फैसला सुनाते हैं और उम्मीद की जाती है कि सही पक्ष को इंसाफ मिलेगा। लेकिन अगर खुद न्यायिक अधिकारी ही सबूत पेश करने के मामले में गड़बड़ी करने लगें और उसके आधार पर फैसला सुनाने लगें तो इससे न्याय की उम्मीद धूमिल होती है, न्यायालयों पर से भरोसा कम होता है। लक्षद्वीप के एक पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट का जैसा आचरण सामने आया, वह न केवल न्याय की अवधारणा को खंडित, बल्कि हैरान करता है कि अगर न्यायिक अधिकारी गलत सबूत पेश करके मुकदमे का पक्ष तय करें तो इससे कैसा उदाहरण स्थापित होगा।

मगर अच्छी बात है कि इस मामले के सामने आने पर केरल उच्च न्यायालय ने स्पष्ट संदेश दिया कि कोई भी मजिस्ट्रेट, न्यायाधीश और अन्य न्यायिक अधिकारी कानून से ऊपर नहीं है और उसे भी कर्तव्य में लापरवाही के मामले में परिणाम भुगतने होंगे। शुक्रवार को हाईकोर्ट ने एक आरोपी को दोषी करार देने के लिए मुकदमे में कथित रूप से साक्ष्य थोपने के मामले में लक्षद्वीप के पूर्व मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट को निलंबित करने का आदेश दिया।

आमतौर पर अदालतों में गलत तथ्य, झूठे गवाह और फर्जी सबूत पेश करके मुकदमे को प्रभावित करने की कोशिशें देखी जाती रही हैं। मगर यह माना जाता है कि न्यायाधीश इस स्थिति में कानूनी प्रावधान, प्रक्रिया और व्यवस्था के साथ-साथ अपने विवेक का प्रयोग करके सही और गलत का पक्ष तय करते और उचित फैसला देते हैं। इसके उलट अगर यह स्थिति हो कि खुद न्यायिक मजिस्ट्रेट ही किसी मामले में आरोपी को दोषी करार देने के लिए जाली सबूत गढ़ कर या साक्ष्य थोप कर जालसाजी करे, तो ऐसे मुकदमे में फैसले का अंदाजा लगाया जा सकता है।

ऐसी स्थिति में अदालत का फैसला स्वाभाविक ही न्याय के हक में नहीं होगा। मुश्किल यह है कि ऐसे किसी एक मामले से भी समूची न्यायपालिका की छवि पर असर पड़ता है और लोगों के बीच यह धारणा बनती है कि कोई न्यायिक मजिस्ट्रेट जब इस तरह की कर्तव्यहीनता कर सकता है तो न्याय की उम्मीद लेकर कहां जाया जाए। इसलिए केरल हाईकोर्ट ने इस मामले में जो रुख अख्तियार किया, वह राहत देता है। इससे यह उम्मीद बरकरार रहती है कि गलत आचरण का आरोपी भले ही न्यायिक मजिस्ट्रेट क्यों न हो, वह न्याय की परिधि से ऊपर नहीं है।

यों न्यायपालिका में भ्रष्टाचार के मसले पर लंबे समय से सवाल उठते रहे हैं। खासकर निचली अदालतों में इस समस्या की जटिलता को लेकर चिंता जताई जाती रही है। लेकिन अब भी इस दिशा में ठोस पहलकदमी सामने नहीं आई है, जिससे न्यायिक अधिकारियों के भ्रष्टाचार पर पूरी तरह रोक लग सके। लक्षद्वीप के न्यायिक मजिस्ट्रेट के इस मामले को देखें तो एक पहलू यह है कि अदालत के किसी फैसले पर पूर्वाग्रह या निजी द्वेष का भी असर पड़ सकता है। सवाल है कि न्याय की कुर्सी पर बैठे व्यक्ति को क्या धन, सुविधा आदि के लोभ या फिर अपने पूर्वाग्रहों के आधार पर किसी मुकदमे का फैसला देने का अधिकार है? कोई भी न्यायाधीश सिर्फ कानूनी प्रावधान और प्रक्रिया से बंधा होता है और इसी सीमा में वह अपने विवेक का प्रयोग करके हर हाल में इंसाफ सुनिश्चित करता है। अगर उसकी किसी अवांछित मंशा की वजह से न्याय प्रभावित होता है, तो इससे उसकी योग्यता पर प्रश्नचिह्न लगेंगे।

संपादक
गोपाल गावंडे

जलवायु परिवर्तन पर खोखली चिंताएं

सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं।

जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं। पिछली डेढ़ सदी में हमने तरक्की की जो मिसाल कायम की है, वह सब कुछ पर्यावरण की कुर्बानी देकर हासिल हुआ है। नतीजा सामने है। हवा, पानी, जमीन और जंगल को लेकर हर कहीं चिंता पैदा हो गई है। हालांकि आबोहवा में तब्दीली हमें महसूस तो पचास साल पहले ही होने लगी थी, लेकिन उसे लगातार नजरअंदाज करने का नतीजा यह है कि धरती खतरनाक स्थिति में पहुंच चुकी है।

गर्मी, बारिश, सूखा, बाढ़, ठंड के बेवक्त और जबरदस्त प्रकोप से डगमगाए संतुलन ने घबराहट पैदा कर दी है। अब जब थोड़ा चेते हैं, तो रस्मअदायगी के सम्मेलनों की बाढ़-सी आ गई है। मगर जो हाल है और जैसा चल रहा है अगर वैसा ही चलता रहा तो जलवायु परिवर्तन पर होने वाले तमाम सम्मेलन और दूसरी गतिविधियां कहीं महज उत्सव बन कर न रह जाएं।

आज बात भले पृथ्वी के बढ़ते तापमान, उसमें भी 1.5 डिग्री सेल्सियस, को लेकर हो या इससे उपजे दूसरे दुष्परिणामों की, पर्यवारण को नुकसान पहुंचा कर तरक्की हासिल करने तथा बचे-खुचे संसाधनों के दोहन से पीछे हटने को कोई तैयार नहीं है। औद्योगिक क्रांति की बढ़ती भूख, खासकर धरती पर मौजूद संसाधनों के अंधाधुंध दोहन के न जाने कितने दुष्परिणाम भोग कर भी चुप्पी साधे रहना धरती के साथ हमारा कैसा इंसाफ है? ऐसे दुष्परिणामों की भरपाई तो दूर, पहले कुछ सोचा नहीं और अब जब सोचा जा रहा है, तो सोचने का दिखावा हो रहा है।

वाकई काफी देर हो चुकी है। फिर भी हम हैं कि मानते नहीं और इसी होड़ में विकास से ज्यादा विनाश की इबारत लिख रहे हैं। होना तो यह चाहिए था कि जैसे ही पर्यावरण असंतुलन का अहसास होने लगा, तुरंत चरणबद्ध तरीके से गलती सुधारने में जुट जाना था। मगर यह हुआ नहीं, जागरूकता पैदा करने के नाम पर दुनिया भर में बड़े-बड़े संगठन बन गए, कोष इकट्ठा हुए, एजंडे तय हुए। उससे लगा कि धरती के साथ न्याय होगा। मगर कितना न्याय हुआ, नतीजा सबके सामने है।

महीने भर पहले पूरी दुनिया की उम्मीदें संयुक्त राष्ट्र के तत्त्वावधान में मिस्र के शर्म अल-शेख में आयोजित विश्व जलवायु सम्मेलन पर टिकी थीं। उम्मीद थी कि पिछली छब्बीस बैठकों के मुकाबले इसमें कुछ ठोस जरूर होगा। वजह भी थी कि बीते साल भर में जलवायु परिवर्तन से जुड़ी जितनी भी घटनाएं हुईं, उनको सबने देखा, महसूस किया और चिंता में डूबे दिखे। मगर जब मिस्र में सब जुटे तो जलवायु परिवर्तन पर गंभीर चिंता के बजाय अमेरिका की अफ्रीका से नई पाइप लाइनें बिछा कर जीवाश्म गैसें लाने की दिलचस्पी सुर्खियों में रही। अक्षय ऊर्जा पर कोई ठोस बहस नहीं हुई। निश्चित रूप से जो मौजूदा परिस्थितियां हैं, उससे तो यही लगता है कि कहीं ऊर्जा संकट जलवायु संकट पर भारी न पड़ जाए।

जलवायु परिवर्तन से नुकसान की भरपाई को लेकर इतने मतभेद उभरे कि लगने लगा कि कोई निष्कर्ष निकल भी पाएगा या नहीं। 'क्षरण और क्षति' पर पूरी बहस केंद्रित थी, जिसकी भरपाई कार्बन उत्सर्जन के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार देशों से कराने की मांग थी। सहमति न बन पाने और मतभेद ज्यादा होने से बैठक को एक दिन और बढ़ाना पड़ा। अब भरपाई कैसे हो पाएगी, यह वक्त बताएगा। फिलहाल धरती की बिगड़ती हालत के परिणामों में कहीं कोई कमी दिखती नहीं है। भावी पीढ़ी को लेकर कपट भरी चिंताएं या दिखावा धरती के अस्तित्व के लिए बेहद गंभीर संकेत हैं।

अगर अफ्रीकी द्वीप समूह से आवाज उठती है कि वे जीवाश्म ईंधन पर निर्भर औद्योगीकरण से दूर रहेंगे और अमीर देशों के मनमाने और औपनिवेशिक हितों, खासकर यूरोपीय देशों का सताया नहीं कहलाएंगे, तो बुरा क्या है? इधर अमेरिका है कि येन केन प्रकारेण अफ्रीका से नई गैस पाइपलानें बिछाने के लिए अरबों डालर का निवेश करना चाहता है। यूरोपीय समूह असल में रूसी गैस का विकल्प ढूंढ़ रहा है।

वह इसलिए भी अफ्रीका को ललचाई और स्वार्थ भरी निगाहों से देख रहा है, क्योंकि उसको पता है कि रूस के मुकाबले अफ्रीका हर मोर्चे पर पीछे रहेगा। दुनिया के तमाम उदाहरणों को भी देखना होगा, जब तेल को लेकर कहां-कहां और कैसी-कैसी लड़ाइयां हुई हैं। हो सकता है कि अमेरिका और यूरोपीय समूह के लिए अफ्रीकी देश, रूस के मुकाबले बेहद आसान लक्ष्य हों।

हकीकत यह है कि समूची दुनिया में जीवाश्म गैसों के कुल उत्पादन में छह फीसद हिस्सेदारी ही अफ्रीका की है, जबकि जलवायु परिवर्तन से वहां की फसलों पर जबरदस्त दुष्प्रभाव पड़ा है। वहीं अफ्रीका में अब भी साठ करोड़ से ज्यादा लोगों के घरों में बिजली नहीं पहुंची है। ऐसे में अंधेरे अफ्रीकी देश यूरोप को रोशन करेंगे, सुन कर ही कितना अजीब लगता है।

बात भारत में साल दर साल बढ़ती भयावह गर्मी की हो या फिर 2022 में इंग्लैंड और पूरे यूरोप की भयावह गर्मी या उस सूखे की, जो पांच सौ साल का कीर्तिमान था या फिर पाकिस्तान में आई विनाशकारी बाढ़ की हो। दुनिया के तेजी से पिघलते ग्लेशियरों के चलते समुद्री जलस्तर से दुनिया के कई इलाकों के डूबने के खतरे हों या जलवायु परिवर्तन झेल रहे तमाम देशों की, इस पर कब चेतेंगे?

अभी तो हमने केवल 1.2 डिग्री सेल्सियस तापमान वृद्धि में ऐसे हालात देखे हैं, अगर यही वृद्धि 1.5 डिग्री सेल्सियस या इससे भी आगे बढ़ी, तो हालात कैसे होंगे, कल्पना मात्र से सिहरन हो उठती है। सब कुछ जानते-समझते हुए भी दुनिया के तमाम ताकतवर देश और पर्यावरण हितैषी संगठन तापमान नियंत्रण की चिंता छोड़ कर अपना हित और व्यापार देख रहे हैं। जिस बैठक में मिस्र से एक बेहतर संकेत निकलना चाहिए था, हरित ऊर्जा पर जोर होना चाहिए था, ताकि जलवायु का बिगड़ता संतुलन और न बिगड़े, वह दिखा नहीं।

अक्षय ऊर्जा के लिए पर्याप्त धन देकर प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता न बढ़ाने की सहमति बनानी थी, वैसा न कर एक मौका और गंवा दिया। आखिर कब तक दुनिया भर में चुकते प्राकृतिक संसाधन हमारे लिए अवसर बनते रहेंगे? शायद यही वह वक्त है जब जलवायु संतुलन पर जलवायु प्रेमी संगठनों के दखल की जरूरत है, जिसमें सरकारों से अलग जनभागीदारी से लोगों में यह संदेश पहुंचे और भावुक तौर-तरीके अपनाए जाएं, जिससे दुनिया के हर आम आदमी को दिन-प्रतिदिन बिगड़ती जलवायु को सुधारने की कैसी कोशिशें हों, समझाई जाएं। सवाल सिर्फ सरकारों के एजेंडे, देशों की तरक्की, पैसा कमाने की होड़ या बाहुबली बनने के लिए कुछ भी किया जाए, न होकर आने वाली उस पीढ़ी की चिंता पर है। इसी पर 2015 में पृथ्वी दिवस के दिन अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी अपनी गंभीर चिंता जताई थी और कहा था कि इससे निपटने की जवाबदेही नई पीढ़ी पर भला कैसे छोड़ी जा सकती है? उनका इशारा भावी पीढ़ी के साथ जबरदस्त और कभी भरपाई न हो सकने वाली मुसीबत की ओर था। भला भावी पीढ़ी का इसमें क्या दोष? क्यों भुगते हमारी भावी पीढ़ी पर्यावरण असंतुलन का खमियाजा, जो इस मामले में अबोध, नासमझ है, कूटनीति, राजनीति या अर्थनीति की ज्यादा जानकारी नहीं रखती है। बहुतेरों को पर्यावरण, प्रदूषण या जलवायु परिवर्तन की समझ भी नहीं है, लेकिन प्रकृति के बदलते मिजाज को लेकर मन में जरूर कुछ न कुछ हलचल तो होती होगी। बस इसी को जगाना है। सच तो यह है कि समूची दुनिया में प्राकृतिक संतुलन को लेकर एक वैश्विक क्रांति की जरूरत है।

सड़क हादसा-डंपर ने ली दो की जान

दो बाइक को मारी थी टक्कर, महिला घायल

इंदौर। बेटमा थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए सड़क हादसे में तीन लोगों की दर्दनाक मौत के बाद रविवार को भी हुए एक सड़क हादसा हो गया, जिसमें एक नाबालिग सहित दो लोगों की मौत हो गई, वहीं एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। तीनों बाइक पर जा रहे थे, तभी तेज गति से आए डंपर ने टक्कर मार दी थी। वहीं एक अन्य बाइक को भी टक्कर मार दी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी ट्रक चालक पर केस दर्ज किया है।

पुलिस ने बताया कि हादसा बेटमा-देपालपुर रोड पर ग्राम रावद में लेटेस्टरी ढाबा के समीप पुलिया पर रविवार की दोपहर में हुआ। पीथमपुर की मनमानी कालोनी में रहने वाले मनोहरसिंह पिता सौभाग्यसिंह पंवार (52) बाइक पर हर्ष पिता हरिराम पटेल (17) और ज्योती पति हरिराम (50) को बैठाकर कहीं पर जा रहे थे। जैसे वह ढाबे के पास पुलिया पर पहुंचे ही थे कि पीछे से तेज गति से आ रहे डंपर ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

अचानक हुए हादसे में तीनों गिर गए और बुरी तरह घायल हो गए। इसके बाद भी डंपर को चालक ने रोका नहीं और एक अन्य बाइक को भी टक्कर मार दी। लोगों ने हादसा देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी और तीनों घायलों को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक हर्ष और मनोहर की मौत हो चुकी थी, जबकि ज्योती की हालत गंभीर बनी हुई है। मामले में पुलिस ने डंपर चालक पर केस दर्ज किया है।

देवर ने दोस्त के साथ मिलकर लूटी अस्मत

इंदौर। एक महिला के रिश्ते में लगने वाले देवर ने अपने दोस्त के साथ मिलकर भाभी की अस्मत से खिलवाड़ किया। मामले में पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर दोनों आरोपियों पर केस दर्ज किया है।

घटना लसूडिया थाना क्षेत्र की है। पुलिस के अनुसार 21 साल की पीड़िता की शिकायत पर उसके देवर और देवर के दोस्त के खिलाफ केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि घटना 24 दिसंबर की है। वह कहीं पर गई थी, जहां उसका देवर और उसका दोस्त भी आया हुआ था। उसने वहां से घर जाने के लिए देवर से कहा तो वह उसे घर छोड़ने का बोलकर अपने दोस्त के साथ आटो रिक्शा में लाया और स्कीम नंबर 78 में एक टाउनशिप के बैसमेंट में लेकर डरा-धमकाकर दोनों ने दुष्कर्म किया। साथ ही इस बारे में किसी को भी बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

शादी का झांसा देकर बनाए संबंध

उधर, महिला थाना पुलिस ने भी दुष्कर्म के मामले में केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार 37 साल की पीड़िता ने विक्की सिंदूरिया निवासी अमृत पैलेस निपानिया के खिलाफ प्रकरण दर्ज कराया है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि विक्की से उसकी जान पहचान थी। इसका फायदा उठाकर उसने झूठे प्रेम जाल में फांस लिया और फिर एक दिन चिकित्सक नगर में कमरे पर ले जाकर शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाए। बाद में जब मैंने शादी का कहा तो इनकार कर दिया। दोनों ही मामलों में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

दहेज के लिए सताया, घर से निकाला

इंदौर। एक महिला को दहेज के लिए उसके पति ने सताया तो उसने पुलिस की शरण लेते हुए प्रकरण दर्ज करा दिया। बाणगंगा पुलिस ने बताया कि गोविंद नगर निवासी भावना पति हितेश बैरागी की शिकायत पर इसके पति हितेश, सास दीना, ससुर दिलीप बैरागी के खिलाफ केस दर्ज किया गया। आरोपियों ने दहेज की मांग को लेकर शारीरिक व मानसिक रूप से प्रताडित कर जान से मारने की धमकी दी और घर से निकाल दिया। इसी प्रकार बाणगंगा थाना क्षेत्र में ही बहू से भी मारपीट का मामला सामने आया है। दरअसल कीचड की चप्पल घर में लाने की बात पर सास व अन्य ने बहू को पीट दिया। पुलिस ने बताया कि योगिता उर्फ संगीता पति अनुराग ठाकुर निवासी कुशवाह नगर की रिपोर्ट पर सास कुसुम बाई, लककी, अनुराग और सुनीता के खिलाफ केस दर्ज किया है। महिला ने बताया कि सास ने गालियां दी और अन्य आरोपियों ने मारपीट की। मेरा भाई शेखर चौहान समझाने लगा तो लककी बघेल ने रॉड से हमला कर घायल कर दिया और जान से मारने की धमकी दी।

जिलाबदर बदमाश पकड़ाया

इंदौर। पुलिस ने खजराना इलाके में एक जिलाबदर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए बदमाश का नाम लोकेंद्र उर्फ मनिया हरसिद्धि नग खजराना है। आरोपी को पुलिस कमिश्नर ने जिलाबदर किया था, लेकिन वह प्रतिबंधात्मक आदेश का उल्लंघन करता मिला। उसके खिलाफ रासुका में कार्रवाई की गई।

पता पूछा, नहीं बताया तो कर दिया हमला

इंदौर। एक युवक को बाइक सवार बदमाशों ने रोका और कहीं पर जाने का पता पूछा। जब उसने पता नहीं बताया तो विवाद करते हुए चाकू से हमला कर भाग निकले। लसूडिया पुलिस के मुताबिक घायल का नाम रवि पिता दिनेश खोकर निवासी स्कीम नंबर 134 है। घटना एडवांस एकेडमी के सामने निपानिया में हुई। घायल ने बताया कि मोटर साइकिल पर दो अज्ञात व्यक्ति आए और मुझसे पूछा कि बेस्ट प्राइज का रास्ता कौन सा है। मैंने बोला कि मुझे मालूम नहीं है, किसी और से पूछ लो। इसी बात को लेकर दोनों मुझे गालियां देने लगे। जब मैंने गाली देने से मना किया तो पीछे बैठा व्यक्ति गाड़ी से उतरा और चाकू से मेरे पेट पर वार कर धमकाते हुए भाग निकले।

बहाना बनाकर ले भागे हजारों रुपए

इंदौर। एक वृद्ध को बदमाशों ने पत्थर उड़कर लगने का बहाना बनाकर रोका और उसके पास पर्स में रखे 12 हजार रुपए छिनकर भाग निकले। वारदात हीरानगर थाना क्षेत्र की है। वारदात हीरानगर थाना क्षेत्र में चतुर्भुज पिता मोरुलाल (68) निवासी वीणानगर के साथ परदेशीपुरा स्थित सफेद मंदिर के पास आमरोड पर हुई। बुजुर्ग ने पुलिस को दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि सफेद एक्टिवा पर सवार दो अज्ञात लड़कों ने वारदात को अंजाम दिया। आरोपी आए और मुझसे बोले कि हम काफी देर से तुझको आवाज लगाते आ रहे हैं, तू गाड़ी क्यों नही रोक रहा। मैंने जैसे ही गाड़ी रोकी तो वे बोले कि तुम्हारी गाड़ी से पत्थर उड़कर लगने से एक लडकी घायल हो गई है। उसके इलाज के लिए पैसे दे। मैं कुछ समझ पाता उसके पहले ही मुझे दोनों लडको ने मुझे थप्पड़- मुक्कों से पीटा। मैं घबरा गया और जेब से मैंने पर्स निकाला। इसके बाद आरोपी पर्स में रखे 12 हजार रुपए लेकर भाग गए। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

धोखाधड़ी में फरार आरोपी पकड़ाया

दो साल से पुलिस कर रही थी तलाश

इंदौर। क्राइम ब्रांच ने एक ही प्लाट कई लोगों को बेचकर धोखाधड़ी करने वाले दो साल से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर कनाडिया पुलिस को सौंपा है।

फरार आरोपियों की तलाश में जुटी ब्रांच टीम को सूचना प्राप्त हुई थी कि थाना कनाडिया में दर्ज धारा 420, 467, 468, का फरार आरोपी सुमित ठाकुर,पाटनीपुरा इलाके में घूमता दिखाई दिया है। उसके बाद टीम ने कनाडिया पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई कर उसे दबौचा। आरोपी द्वारा मित्र बंधु नगर स्थित एक प्लॉट को अवैध तरीके से अलग-अलग कई लोगो बेचकर फरियादियो के साथ धोखाधडी की थी जिस पर आरोपी के विरुद्ध थाना कनाडिया मे केस दर्ज हुआ था। इस केस में वह दो साल से फरार था।

बीच बचाव करने पहुंचा तो पीट दिया

इंदौर। दो युवकों के बीच हो रहे विवाद में एक व्यक्ति बीच-बचाव करने पहुंचा तो आरोपियों ने उसे उसकी ही जमकर धुनाई कर दी और घूंसा मारकर दांत तोड़ दिया। मल्हारगंज पुलिस के मुताबिक घटना अब्दुल सलीम खान (50) मल्हारगंज के साथ शनिवार की रात को हुई। उसकी रिपोर्ट पर अज्ञात तीन युवकों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। घायल ने बताया कि घर के सामने रोड पर खड़े दो लड़के झगड़ रहे थे। मैंने दोनों को समझाया और झगड़ा शांत करवाया। थोड़ी देर बाद उनमें से एक लड़का दो साथियों के साथ वापस आया और मुझे गालियां देने लगा। गालियां देने से मना किया तो तीनों मुझे लात-घूंसों से पीटने लगे और एक ने घूंसा मारकर दांत तोड़ दिया।

मौज-मस्ती के लिए करता था लूट की वारदातें

शातिर बदमाश पकड़ाया, साथियों की तलाश

इंदौर। मोबाइल लूट की वारदातें करने वाले शातिर बदमाश को पुलिस ने गिरफ्त में लिया है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह मौज मस्ती के लिए वारदात करता थ, जिसके उसके साथी भी रहते थे। पुलिस अब उसके साथियों की तलाश कर रही है।

थाना प्रभारी चंदन नगर अभय नेमा ने बताया कि मुखबिर द्वारा सूचना मिली थी कि स्कीम नंबर 71 एवं गुमास्ता नगर में मोबाईल चोरी एवं मोबाईल स्नेचिंग की घटनाओं को अंजाम देने वाला आरोपी द्वारकापुरी क्षेत्र में रहता है। जिस पर से चंदन नगर पुलिस ने गौरव वाधवानी उम्र (19) निवासी द्वारकापुरी को गिरफ्तार किया। पुलिस की पूछताछ में उसके द्वारा पिछले कई समय से अपने साथियों के साथ वाहन बदल बदलकर चंदन नगर, गुमास्ता नगर, अन्नपूर्णा, उषा नगर, द्वारकापुरी क्षेत्र से मोबाईल चोरी एवं स्नेच करने की घटनाएं करना स्वीकार की हैं । चंदन नगर पर दर्ज अपराध की घटना में आरोपी गौरव के साथ शामिल अपचारी बालक की भी पहिचान कर ली गई है शीघ्र ही उसको भी गिरफ्त में लिया जाएगा। उक्त बालक के अलावा भी आरोपी गौरव ने अन्य साथियों के साथ कई घटनाओं को अंजाम दिया है। गौरव को न्यायालय में प्रस्तुत कर पुलिस रिमांड पर लिया गया है अभी तक कुल 5 मोबाईल के बारे में जानकारी प्राप्त हुई है। आरोपी गौरव कंप्यूटर फॉर्मेटिंग का काम करता है एवं अपने साथियों के साथ मौज मस्ती के लिए मोबाईल चोरी एवं मोबाईल स्नेचिंग करता है। आरोपी से पूछताछ जारी है शहर की अन्य घटनाओं के बारे में पूछताछ की जा रही है ।

पेट-इम्युनिटी के लिए अच्छा है इन 5 सब्जियों का जूस, -ठंड में रोज पीएं

ठंड में खांसी-जुकाम से बचने के लिए वेजिटेबल जूस मदद कर सकता है। रोजाना इसका सेवन करने से इम्युनिटी बढ़ने लगती है और इंफेक्शन बार-बार चपेट में नहीं लेता है। आइए जानते हैं कि किन सब्जियों को मिलाकर वेजिटेबल जूस बनाना चाहिए।

इस साल दिसंबर में ठंड काफी बढ़ गई है। ठंड के कारण बार-बार सर्दी-जुकाम, खांसी, चेस्ट इंफेक्शन जैसी दिक्कतें बढ़ जाती हैं। इन परेशानियों से बचने के लिए सब्जियों का जूसकाफी फायदेमंद होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि ठंड में जूस बनाने के लिए कौन-सी सब्जियां इस्तेमाल करनी चाहिए?

सर्दियों में इस जूस का सेवन बच्चों से लेकर बुजुर्ग रोजाना कर सकते हैं। इन में ठंड से बचाने वाले पौष्टिक गुणों की भरमार होती है।

किन सब्जियों से बनाएं वेजिटेबल जूस?

जूस बनाने के लिए हल्दी की जड़, चुकंदर, गाजर, अदरक और आंवला का इस्तेमाल करें।
कैसे बनाएं सब्जियों का जूस?
सबसे पहले हल्दी की जड़, चुकंदर, गाजर, अदरक और आंवला को टुकड़ों में काट लें।
अब इन सभी चीजों को एक ब्लेंडर में डालें।
इसके बाद सब्जियों को तबतक ब्लेंड करें, जबतक कि वह जूस ना बन जाएं।
आप जूसर मिक्सर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं।
जूस में स्वादानुसार काला नमक और नींबू का रस मिलाकर सेवन करें।
इम्युनिटी बूस्ट होती है
गट हेल्थ अच्छी रहती है
स्किन पर ग्लो आता है

फलों का जूस ना पीएं!

फलों का जूस पीने से बचना चाहिए। इसकी जगह सब्जियों का जूस पीएं। क्योंकि, फलों में नैचुरल शुगर फ्रुक्टोज की मात्रा अधिक होती है, जो शरीर को नुकसान पहुंचा सकती है। इसी के साथ, बाजार में मिलने वाले पैकेटबंद जूस को भी नहीं पीना चाहिए।

हल्दी, आंवला, गाजर, चुकंदर और अदरक

इन सब्जियों में एंटी-इंफ्लामेटरी और एंटीऑक्सीडेंट्स की भरमार होती है, जो आपको संक्रमण से बचाकर रखते हैं। वहीं, विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन के1, पोटैशियम जैसे पोषक तत्व भी मिलते हैं।

बच्चों में अच्छे संस्कार डालने के लिए हमें इस तरह करना चाहिए पालन-पोषण

तो हम अपने घर के वातावरण को ऐसा बनाएं कि बच्चे सीखें, उन्हें अच्छे संस्कार मिलें। उनके बड़े होने पर उनके साथ मित्रवत व्यवहार होना चाहिए। उनके साथ खुले दिमाग से चर्चा करो। वे यदि पूछें कि ऐसा क्यों करना चाहिए, तब आपके पास उसका जवाब होना चाहिए और आपके पास जवाब तब होगा, जब आप सत्संग करोगे, स्वाध्याय करोगे।

हर व्यक्ति को अपने बच्चे बहुत प्यारे हैं। बस उनकी परवरिश कैसे करते हैं, यह महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से आज के समय में जब उनको भटकाने वाली अनेक चीजें हैं। आप बच्चों के लिए संपत्ति जुटाने में ही लगे रहे और बच्चों को संस्कार देने से चूक गए, तो हो सकता है कि भविष्य में वह मां-बाप को अपने बड़े महल में एक कमरा देने में भी संकोच करें और उन्हें वृद्धाश्रम में जाना पड़े। इसलिए बच्चों को समय देते हुए उन्हें जीवन उपयोगी संस्कार भी दें। ऐसे बच्चे कभी माता-पिता को अपने घर से बाहर नहीं निकालेंगे। माता-पिता प्रत्यक्ष देव हैं, ईश्वर हैं, इस भाव से वे मां बाप की सेवा करेंगे।

आज हमें बच्चों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। बच्चे जब छोटे हों तभी से उनके ऊपर ध्यान दो। वह एक कोमल पौधा है। उसको हम जो दिशा देना चाहते हैं, वह बचपन में ही संभव है। उस वक्त वे तुम्हारी मानते भी हैं लेकिन बच्चों से जबरदस्ती कुछ मत करवाओ। ऐसा करोगे तो बच्चों में उस चीज के प्रति अरुचि पैदा हो जाएगी। बच्चे का ऐसा स्वभाव होता है कि जो बड़े करते हैं वह उनका अनुकरण करते हैं। गीता का यह श्लोक बड़ों के साथ-साथ बच्चों पर भी लागू होता है- यद्यदाचरति श्रेष्ठस्तत्तदेवेतरो जनः। यानी श्रेष्ठ पुरुष जैसा आचरण करते हैं अन्य पुरुष भी वैसा ही आचरण करते हैं।

हम अक्सर मंदिरों, श्रीमद्भागवत कथाओं में आरती के समय यजमानों के साथ आए बच्चों को देखते हैं। पंडितजी जब सभी यजमानों के हाथ में फूल देते हैं, तब बच्चे भी फूल लेने के लिए अपना हाथ आगे बढ़ा देते हैं। मंदिर में जब लोग दर्शन के लिए जाते हैं, तो साथ गए बच्चे भी देखा-देखी प्रणाम करते हैं। आप परिक्रमा लगाते हो, आपके साथ बच्चे भी लगाते हैं। आप दंडवत करते हो, बच्चे भी देखकर दंडवत करते हैं। आप जब मंदिर में कुछ भेंट करते हो, तो आप बच्चों के हाथ से भी रखवाओ। किसी गरीब को कुछ देना चाहते हो, तो अपने बच्चों के हाथों से भी दिलवाओ। इससे बच्चों को देने की आदत पड़ेगी। मानवता का यह बहुत बड़ा धर्म है। इसलिए बच्चों में असहायों की मदद की आदत डालो।

देखो, कोरोना के समय अनेक बच्चों ने गुल्लक में जमा पैसे असहायों की मदद के लिए खुशी-खुशी अपने माता-पिता को दे दी। यह सब बच्चों को दिए संस्कारों से ही संभव है। बच्चों में पूजा-पाठ की आदत तो डालो ही, पर उन्हें प्रकृति से प्रेम करना भी सिखाओ। बच्चों को साथ लेकर पेड़-पौधों को पानी दिलवाओ। बच्चों का पर्यावरण के साथ, प्रकृति के साथ प्रेम बने, लगाव हो यह सिखाओ। आप अपने घरों में सफाई रखेंगे तो बच्चे भी सफाई रखेंगे। वही उनकी जीवन शैली बन जाएगी। आप जब अपने माता-पिता, बड़े जनों, साधु-संतों को प्रणाम करते हो तो बच्चों में भी यह गुण स्वाभाविक ही आ जाता है। इसी तरह से संस्कार निर्माण होता है। बच्चों में व्यावहारिक गुण विकसित होते हैं।

तो हम अपने घर के वातावरण को ऐसा बनाएं कि बच्चे सीखें, उन्हें अच्छे संस्कार मिलें। उनके बड़े होने पर उनके साथ मित्रवत व्यवहार होना चाहिए। उनके साथ खुले दिमाग से चर्चा करो। वे यदि पूछें कि ऐसा क्यों करना चाहिए, तब आपके पास उसका जवाब होना चाहिए और आपके पास जवाब तब होगा, जब आप सत्संग करोगे, स्वाध्याय करोगे।

WWW.1BIGA.COM
NOW A PIECE OF LAND IS YOUR OWN

मात्र
₹200/- प्रति Sqft

अब खरीदें
बहुत ही कम कीमतों
पर अपने सपनों का
फार्म हाउस

FEATURES
- Covered RCC boundary wall with entrance gate.
- 24/7 water supply.
- 24/7 security (gunman).
- 24/7 electricity supply.
- 100 different types of fruit plants.

इंदौर–इच्छापुर नेशनल हाइवे
से 400 मी. की दूरी पर
More information call us
8889066688
6268319125
www.1biga.com

ACHIRA GREENS
A Smart Township

स्वतंत्र बंगलो

BOOK NOW
STARTING PRICE
सिल्वर 9.99/- लाख
गोल्ड 19.51/- लाख

Plot Size
20×30

इच्छापुर
नेशनल हाईवे के समीप
IIT COLLEGE के नजदीक

तुरन्त रजिस्ट्री, तुरन्त पजेशन
बैंक लोन सुविधा उपलब्ध

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

अवतार 2 के सामने सर्कस

ने टेक दिए घुटने, पहले वीकेंड में ही निकल गया दम

बॉक्स ऑफिस पर रोहित शेट्टी की **सर्कस** का हाल बहुत बुरा है। हालांकि, रविवार को फिल्म की कमाई में थोड़ी बढ़ोतरी जरूर हुई है, लेकिन रणवीर सिंह स्टारर यह फिल्म तीन दिनों में 20 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। सोमवार से फिल्म की कमाई और बुरी तरह गिरने की संभावना है।

रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस की बॉक्स ऑफिस पर ऐसी दुर्दशा होगी, इसकी किसी ने कल्पना नहीं की थी। रणवीर सिंह, वरुण शर्मा, जैकलीन फर्नांडिस और पूजा हेगड़े स्टारर इस फिल्म को क्रिसमस के मौके पर मेगा रिलीज किया गया, लेकिन फिल्म फर्स्ट वीकेंड में ही पानी भरती हुई नजर आई। पहले तीन दिनों में यह फिल्म 20 करोड़ रुपये भी नहीं कमा पाई है। सर्कस ने ओपनिंग डे से ही बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह निराश किया है। हालांकि, रविवार को रिलीज के तीसरे दिन फिल्म की कमाई शुक्रवार और शनिवार के मुकाबले थोड़ी बढ़ी जरूर है, लेकिन क्रिसमस के सेलिब्रेशन और छुट्टी के बावजूद फिल्म दर्शकों को थिएटर्स तक नहीं खींच पाई। Cirkus को देशभर में 3200 से अधिक स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया। इस फिल्म के 10 हजार से अधिक शोज दिखाए जा रहे हैं। शुक्रवार को ओपनिंग डे पर इस फिल्म ने महज 6.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था। शनिवार को दूसरे दिन Bo& Office पर कमाई बढ़ने की बजाय घटकर 6.00 करोड़ रुपये हो गई। जबकि अब रविवार को फिल्म की कमाई में हल्की बढ़ोतरी हुई है। सर्कस ने रविवार को 7.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया है। इस तरह तीन दिनों में इस फिल्म ने कुल मिलाकर 19.50 करोड़ रुपये का बिजनस किया है।

अवतार 2 के सामने सर्कस ने टेक दिए घुटने

Rohit Shetty ने सर्कस को अपनी गोलमाल फ्रेंचाइजी से जोड़ा है। लेकिन दर्शकों को इस बार वह हंसा नहीं पाए हैं। ऐसा नहीं है कि लोग थिएटर नहीं पहुंच रहे हैं। सिनेमाघरों में हॉलीवुड फिल्म अवतार-द वे ऑफ वॉटर देसी बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई कर रही है। अगर सर्कस से तुलना करें तो अवतार 2 ने शुक्रवार को 12 करोड़ रुपये, शनिवार को 20.75 करोड़ रुपये और रविवार को करीब 24 करोड़ रुपये का बिजनस किया है। यानी जिस वीकेंड में सर्कस 20 करोड़ भी नहीं कमा पाई, अवतार 2 ने उसी वीकेंड में 56.75 करोड़ रुपये का बिजनस किया है।

रणवीर सिंह को 2022 में दूसरा बड़ा झटका

बॉक्स ऑफिस पर यह रणवीर सिंह के लिए भी बड़ा झटका है। साल 2022 में उन्हें यह लगातार दूसरा झटका है। इससे पहले उनकी जयेशभाई जोरदार टिकट खिड़की पर बहुत बड़ी डिजास्टर साबित हुई थी। रोहित शेट्टी की महाराष्ट्र में तगड़ी फैन फॉलोइंग है। हिंदी फिल्मों के लिए महाराष्ट्र सर्किट से खूब फायदा भी मिलता है। लेकिन मुंबई को छोड़कर बाकी जगहों पर सर्कस का हाल बहुत ही बुरा है।

सोमवार को सर्कस का होने वाला है बुरा हाल

सर्कस का बजट करीब 150 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। जिस हिसाब से यह फिल्म कमाई कर रही है, सोमवार से इसकी हालत और खराब होने वाली है। ऐसा लग रहा है कि फर्स्ट मंडे टेस्ट में रोहित शेट्टी की यह फिल्म 1-2 करोड़ रुपये के आंकड़े पर ही सिमट जाएगी। कुल मिलाकर अगर न्यू ईयर सेलिब्रेशन के इस माहौल में सर्कस का फ्लॉप होना लगभग तय है।

भारत की जीत से गदगद हुए सचिन अश्विन-अय्यर को लेकर कह दी ये बड़ी बात

भारत और बांग्लादेश के बीच खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने शानदार जीत हासिल की। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज 2-0 से जीत ली। दूसरा टेस्ट मैच बेहद रोमांचक रहा और एक समय लग रहा था कि भारत को बुरी तरह से हार का सामना करना पड़ेगा लेकिन टीम के स्टार खिलाड़ी श्रेयस अय्यर और ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन ने अर्धशतकीय साझेदारी करके टीम को हार से बचा लिया। इस जीत के बाद टीम इंडिया को कई दिग्गज खिलाड़ियों द्वारा बधाई दी जा रही है। इसी कड़ी में गॉड ऑफ क्रिकेट कहे जाने वाले सचिन तेंदुलकर ने भी भारत को बधाई संदेश दिया है।

सचिन तेंदुलकर ने कुछ इस अंदाज में दी बधाई

बांग्लादेश के खिलाफ रोमांचक मैच में जीत के बाद मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर काफी खुश नजर आए। उन्होंने मैच के खत्म होने के ठीक बाद एक ट्वीट किया और अय्यर और अश्निन को उनकी बल्लेबाजी के लिए सराहा। सचिन ने ट्वीट में लिखा कि ' सीरीज जीतने के लिए बधाई टीम इंडिया। बांग्लादेश के स्पिनर्स ने एक समय के लिए भारतीय टीम को बुरी स्थिति में डाल दिया था लेकिन श्रेयस अय्यर और रविचंद्रन अश्विन ने शानदार बल्लेबाजी कर भारतीय टीम को जीत की ओर ले गए।'

जंगल भी हमारा, राज भी हमारा, श्रीलंका सीरीज से पहले हार्दिक की चेतावनी

भारतीय टीम को श्रीलंका के खिलाफ 3 जनवरी से तीन टी20 मैचों की सीरीज खेली जानी है. इसके बाद इतने मैचों की वनडे सीरीज भी होगी. भारत के नियमित कप्तान रोहित शर्मा चोटिल होने की वजह से बांग्लादेश के खिलाफ बीच सीरीज से बाहर हो गए. अभी वह पूरी तरह से फिट नहीं हैं. अब एक वीडियो सामने आया है, जिससे ये लग रहा है कि श्रीलंका सीरीज में हार्दिक पांड्या ही कप्तान होंगे.

सामने आया ये वीडियो

चेतन शर्मा की अगुवाई वाली चयन समिति को श्रीलंका के खिलाफ टीम चुनने का जिम्मा सौंपा गया है. टीम की घोषणा 27 दिसंबर तक हो सकती है. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक श्रीलंका के खिलाफ सीरीज में हार्दिक पांड्या को टीम की कमान सौंपी जा सकती है. टी20 सीरीज के लिए ब्रॉडकास्टर स्टार स्पोर्ट्स का प्रोमो वायरल हो रहा है, जिसमें हार्दिक स्टेडियम में बैठे हुए नजर आ रहे हैं. वह कहते हुए नजर आ रहे हैं कि जंगल हमारा है, तो राज भी हमारा होगा. वीडियो के अंत में सीरीज के लिए पोस्टर भी दिखाया गया जिसमें एक तरफ श्रीलंका के कप्तान दासुन शनाका और दूसरी तरफ हार्दिक थे.

प्रधानमंत्री श्री मोदी से मुख्यमंत्री श्री चौहान ने नई दिल्ली में की भेंट

प्रवासी भारतीय सम्मेलन, ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, जी-20 समिट और खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन सहित जन-कल्याणकारी योजनाओं पर हुई चर्चा

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री से ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के वर्चुअल उद्घाटन का किया अनुरोध

फ्लोटिंग सोलर प्लांट के लोकार्पण का भी किया आग्रह

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से नई दिल्ली स्थित उनके निवास 7-लोक कल्याण मार्ग पर भेंट कर मध्यप्रदेश के विकास और जन-कल्याण से जुड़े सम-सामयिक विभिन्न विषय पर चर्चा की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जनवरी 2023 में इन्दौर में होने वाले प्रवासी भारतीय सम्मेलन और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट, जी-20 समिट की बैठकों और मध्यप्रदेश में खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन पर चर्चा कर प्रधानमंत्री श्री मोदी से मार्गदर्शन प्राप्त किया।

प्रधानमंत्री श्री मोदी से सार्थक चर्चा के बाद मुख्यमंत्री श्री चौहान ने बताया कि 8, 9 और 10 जनवरी, 2023 को इंदौर में होने वाले प्रवासी भारतीय सम्मेलन के तीन दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री मोदी करेंगे। सम्मेलन में आ रहे 80 से अधिक देशों के प्रतिनिधि का स्वागत मध्यप्रदेश की परम्परा के अनुकूल किया जायेगा। श्री चौहान ने बताया कि 11 और 12 जनवरी, 2023 को होने वाली ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में गुयाना और सूरीनाम के राष्ट्रपति सहित लगभग 68 देशों के मंत्री, राजनयिक, उद्योगपति और प्रतिनिधि-मंडल भाग लेंगे। श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से समिट का वर्चुअल उद्घाटन करने का अनुरोध किया। श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को जी-20 की मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली 8 बैठकों और खेलो इंडिया यूथ गेम्स के आयोजन की तैयारियों से अवगत कराया और उनका मार्गदर्शन प्राप्त किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को प्रदेश में लागू किये गये पेसा अधिनियम के बारे में अवगत कराया। श्री चौहान ने मध्यप्रदेश के जनजातीय भाई-बहनों को जंगल, जमीन और जल पर अधिकार और उनकी संस्कृति और परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए प्रदेश में पेसा अधिनियम के अंतर्गत बनाये गये नियमों की जानकारी भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को बताया कि फ्लोटिंग सोलर प्लांट ओंकारेश्वर में बांध के ऊपर सोलर पैनल बिछा कर सौर ऊर्जा उत्पन्न की जायेगी। प्लांट से जमीन भी बचेगी और पानी का वाष्पीकरण भी कम होगा। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री श्री मोदी से इस परियोजना के लोकार्पण करने का आग्रह किया। प्रदेश के 53 हजार किसानों द्वारा की जा रही प्राकृतिक खेती के बारे में भी मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रधानमंत्री को अवगत कराया। विकास से जुड़ी प्रदेश की विभिन्न योजनाओं के संबंध में प्रधानमंत्री श्री मोदी से प्राप्त हो रहे मार्गदर्शन और सहयोग के लिए श्री चौहान ने प्रधानमंत्री का आभार माना।

बालक फतेह सिंह और जोरावर सिंह जैसा बलिदान कहीं नहीं हुआ

भोपाल में वीर बालकों की शहादत का चित्रण करने वाली दीर्घा का निर्माण होगा

मुख्यमंत्री श्री चौहान गुरूद्वारा नानकसर में गुरूमत समागम में पहुँचे

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि राष्ट्र की स्वतंत्रता और धर्म की रक्षा के लिए गुरू गोविंद सिंह जी के बेटों शहीद जोरावर सिंह और फतेह सिंह का बलिदान अतुलनीय है। छोटी सी आयु में उन्होंने शहादत दी। वीर बालकों के बलिदान को राष्ट्र आज भी याद करता है। मध्यप्रदेश सरकार ने इन वीर बालकों की शहादत से नई पीढ़ी को अवगत करवाने के लिए प्रति वर्ष वीर बाल दिवस मनाने का निर्णय लिया है। इस वर्ष 21 से 26 दिसम्बर की अवधि में विभिन्न कार्यक्रम हुए हैं। भोपाल में वीर बालकों के बलिदान पर केन्द्रित एक दीर्घा गुरु तेग बहादुर उद्यान में निर्मित की जाएगी। सिख समाज द्वारा प्राप्त सुझावों के अनुरुप आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान आज हमीदिया रोड स्थित गुरूद्वारा नानकसर, गुरुमत समागम में वीर बाल दिवस कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर श्री नरेन्द्र सलूजा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने सिख गुरू, गुरू गोविंद सिंह जी के दो बेटों श्री जोरावर सिंह और श्री फतेह सिंह के बलिदान का स्मरण कर श्रद्धांजलि दी।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने वीर बालकों के बलिदान पर केंद्रित कविता भी सुनाई-

कहीं पर्वत झुके भी है, कहीं दरिया रुके भी है।
नहीं रुकती रवानी है, नहीं झुकती जवानी है॥
गुरु गोविंद के बच्चे, उम्र में थे अगर कच्चे।
मगर थे सिंह के बच्चे, धर्म ईमान के सच्चे॥

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने प्रारंभ में गुरूद्वारे में गुरू ग्रंथ साहब के समक्ष मत्था टेककर नमन किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने जागृति मार्च का वाहन भी रवाना किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि बालक फतह सिंह और जोरावर सिंह जिन आदर्शों के लिए जिये थे, आज गुरूद्वारा में बालक-बालिकाओं द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रम में वे देखने को मिले हैं। गुरूओं के ज्ञान और कविताओं के माध्यम से बच्चों ने शहीदों को श्रद्धा-सुमन अर्पित किए। सिद्धांतों से समझौता न कर बालकों द्वारा किए गए बलिदान की घटना ऐतिहासिक है। माता-गूजरी ने भी असहनीय पीड़ा सही। इसके बावजूद माता गूजरी और बालकों के चेहरे पर भय के भाव नहीं आए थे। जब बालकों को दीवार में चुनवाया जा रहा था, तब भी वे मुस्कुरा रहे थे। ऐसी शहादत कहीं नहीं हुई।

मुख्यमंत्री श्री चौहान के अलावा श्री रिंकू ने भी गुरूद्वारा परिसर में विशेष गुरूमत समागम में उपस्थित नागरिकों को संबोधित किया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान करेंगे अंतर्राष्ट्रीय वन मेले का शुभारंभ

लाल परेड मैदान में 20 से 26 दिसम्बर तक चलेगा वन मेला

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान 20 दिसम्बर को शाम 5 बजे लाल परेड मैदान भोपाल में 7 दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय वन मेले का शुभारंभ करेंगे। वन मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह, चिकित्सा शिक्षा, भोपाल गैस त्रासदी राहत एवं पुनर्वास मंत्री श्री विश्वास सारंग, लोक स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद भदौरिया, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री रामकिशोर कावरे और मध्य प्रदेश लघु वनोपज सहकारी संघ प्रशासक श्री जे.एन. कंसोटिया विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

वन मेले की खासियत

इस बार वन मेले में 300 विक्रय स्टॉल स्थापित किये जा रहे हैं। इनमें उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, छत्तीसगढ़, दिल्ली, उड़ीसा, महाराष्ट्र आदि राज्यों के हर्बल उत्पाद के स्टाल शामिल हैं। हर्बल उत्पादों विशेषकर कच्चे माल से लेकर प्र-संस्कृत उत्पादों एवं इससे संबंधित तकनीक का जीवंत प्रदर्शन किया जायेगा। साथ ही चिकित्सा परामर्श के लिये ओपीडी के स्टॉल लगाये जायेंगे। इसमें 100 से अधिक आयुर्वेदिक डॉक्टरों/वैद्यों द्वारा नि:शुल्क चिकित्सीय परामर्श दिया जायेगा। मेले में लघु वनोपज से आत्म-निर्भरता थीम पर आधारित दो दिवसीय कार्यशाला भी होगी। कार्यशाला में भूटान, नेपाल, फिलीपींस के विशेषज्ञों के साथ मध्यप्रदेश एवं अन्य राज्यों के विषय-विशेषज्ञ भी अपने विचार रख सकेंगे। लघु वनोपजों के प्रबंधन एवं संरक्षण के संबंध में विस्तृत चर्चा करेंगे।

प्रतिदिन होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रम, स्कूली बच्चों की नृत्य प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता, फ़ैंसी ड्रेस, नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया जायेगा। जनजातीय लोक नृत्य एवं लोक गीत भी होंगे। प्रमुख प्रस्तुतियों में 21 दिसम्बर को बैम्बू म्यूज़िकल बैंड, 22 दिसम्बर को कबीर कैफ़े, 23 दिसम्बर को हास्य कलाकार श्री सुनील पाल का शो, 24 दिसम्बर को प्रसिद्ध गायक श्री विनोद राठौर का कार्यक्रम और 25 दिसम्बर को वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की प्रस्तुति शामिल है।

इंदौर एयरपोर्ट पर कोरोना को लेकर सख्ती नहीं-दुबई से आई पैसेंजर्स की जांच रिपोर्ट का इंतजार, बिना मास्क दिखे विदेशी यात्री

देवी अहिल्या इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कोविड को लेकर कोई खास सख्ती या एहतियात नजर नहीं आ रहे हैं। शनिवार देर शाम विदेशी नागरिक भी एयरपोर्ट पर बिना मास्क के घूमते नजर आए। एयरपोर्ट एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों का कहना है कि सरकार की गाइडलाइन के अनुसार विदेश से आने वाली फ्लाइट के यात्रियों की रैंडम जांच की है, जो भी निर्देश मिलेंगे उनका पालन करेंगे। वहीं यात्रियों की माने तो दुबई एयरपोर्ट पर कोरोना को लेकर कोई चेकिंग नहीं हुई।

रैंडम सैम्पलिंग के लिए एयरपोर्ट पर पहुंच गई थी टीम

दरअसल, दुबई से शनिवार शाम 5.40 बजे एयर इंडिया की वीकली फ्लाइट इंदौर पहुंची। फ्लाइट समय पर थी। इस फ्लाइट में 117 यात्री सवार थे। चीन में एक बार फिर कोरोना केसेस बढ़ने के बाद से भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी विदेश से आने वाली सभी फ्लाइट्स में रैंडम सैंपलिंग के निर्देश दिए हैं। फ्लाइट आने से पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम भी एयरपोर्ट पर पहुंच गई थी। दुबई से आई फ्लाइट के 3 यात्रियों के कोरोना के लिए रैंडम सैंपल लिए गए। वहीं, इंदौर में पिछले 24 घंटे में लिए गए कोरोना सैंपल में एक पॉजिटिव मरीज मिला है।

ये निर्देश जारी हुए

एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने ऐसे एयरपोर्ट्स जहां चीन, अमेरिका, जापान, ब्राजील, साउथ कोरिया और फ्रांस से सीधी उड़ाने आती हैं, वहां विशेष सतर्कता के साथ ही देश के सभी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर 24 दिसंबर को सुबह 10 बजे से विदेशों से आने वाली सभी अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों में से 2 प्रतिशत की रैंडम आधार पर जांच के लिए कहा है।

15 दिन बाद NRI सम्मेलन, रैंडम सैम्पलिंग का प्रतिशत बढ़ाया जाए

इंदौर से विदेश जाने वाली मात्र एक ही सीधी उड़ान का संचालन होता है, जो दुबई के लिए है। दुबई के लिए सोमवार को फ्लाइट इंदौर से संचालित होती है, जबकि वापसी में शनिवार को फ्लाइट दुबई से इंदौर आती है। शनिवार को पहला मौका था, जब सरकार के निर्देश के बाद दुबई से फ्लाइट में सवार यात्रियों के सैंपल लिए गए। 3 यात्रियों के कोरोना के सैंपल लिए गए हैं। लेकिन अब महज पंद्रह दिन बाद शहर में एनआरआई सम्मेलन होने वाला है, जो कि अब तक का सबसे बड़ा इवेंट है। एहतियात के लिए सैंपल लेने के प्रतिशत में वृद्धि की जानी चाहिए, क्योंकि यहां सिर्फ एक ही अंतर्राष्ट्रीय फ्लाइट संचालित हो रही है और वो फ्लाइट भी रोजाना नहीं चल रही है। साथ ही एयरपोर्ट पर मास्क में मिली छूट पर भी पाबंदी लगाई जा सकती है।

एयरपोर्ट पर विदेशी नागरिक भी बिना मास्क के घूमते दिखे

इंदौर के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कोविड के नियमों के पालन को लेकर कोई खास रुचि न लोगों में दिखी और न ही एयरपोर्ट प्रबंधन की ओर से कोई अतिरिक्त प्रयास किए जा रहे हैं। शनिवार को दुबई फ्लाइट के अलावा अन्य फ्लाइट से इंदौर एयरपोर्ट पहुंचने वाले अधिकांश यात्री बिना मास्क के ही नजर आए। इक्का-दुक्का यात्रियों ने ही मास्क लगा रखा था। वहीं किसी कनेक्टिंग फ्लाइट से इंदौर एयरपोर्ट पर पहुंचे कई विदेशी नागरिक भी बिना मास्क के ही अन्य भारतीय नागरिकों की तरह ही चहल कदमी करते दिखे।

विभाग से आई 3 लोगों की टीम

सैंपल लेने के लिए स्वास्थ्य विभाग की ओर से आई उषा ने बताया कि फ्लाइट से कितने यात्री आए इस बारे में तो जानकारी नहीं है। 3 यात्रियों के सैंपल लिए हैं। स्वास्थ्य विभाग से 3 लोगों की टीम सैंपल लेने आई।

दुबई एयरपोर्ट पर नहीं हुई कोई चेकिंग

दुबई से इंदौर आए मंदसौर के पवन पाटीदार ने बताया कि फ्लाइट के बाहर इंदौर एयरपोर्ट पर यात्रियों की रैंडम चेकिंग की गई। सैंपल लिए गए हैं। दुबई एयरपोर्ट पर कोई चेकिंग यात्रियों की नहीं हुई।

अब रिपोर्ट पर सबकी नजर

दुबई से आए तीन यात्रियों की आरटीपीसीआर जांच हुई है। सभी की नजर यात्रियों की जांच रिपोर्ट पर टिकी हुई है। सीएमएचओ डॉ. बीएस सैत्या के अनुसार रविवार को तीनों यात्रियों की जांच रिपोर्ट आ जाएगी।

तब दुबई एयरपोर्ट प्रबंधन ने की थी सख्ती

कोविड के दौरान दुबई एयरपोर्ट पर सख्ती कर दी गई थी। यात्रियों से इंदौर में फ्लाइट में सवार होने के छह घंटे पहले की जांच रिपोर्ट तक ली गई। तब कई यात्री पॉजिटिव भी निकले थे। इंदौर एयरपोर्ट पर कोविड नियमों के पालन को लेकर विदेशी नागरिकों के लिए भी कोई सख्ती नहीं की गई है।

कुख्यात अपराधी सलमान लाला का अवैध साम्राज्य ध्वस्त

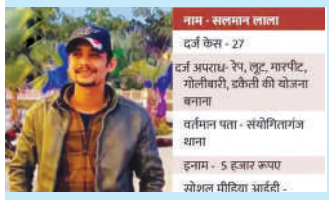

इन्दौर । नगर निगम, पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने इंदौर के कुख्यात बदमाश सलमान लाला का अवैध साम्राज्य ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई एमआईजी थाना क्षेत्र स्थित छोटी खजरानी इलाके में की गई। यहां प्रशासन ने एंटी माफिया अभियान के तहत यह एक्शन लिया है। इलाके में सलमान लाला के 5 अवैध निर्माणों को ध्वस्त कर दिया गया। सलमान लाला एमवाय अस्पताल में हुए गोली कांड केस में भोपाल जेल में है। सलमान उसके भाई आदिल ने बीते दिनों तुषार नाम के फाइनेंस कंपनी संचालक की हत्या की थी।

कांग्रेस नेता ने सीएम से की शिकायत
बॉस्केट बॉल ट्रस्ट पर शासन की लीज शर्तों का उल्लंघन का आरोप

इंदौर के एक कांग्रेस नेता ने सीएम शिवराज सिंह चौहान को ऑनलाइन शिकायत की है। इस शिकायत में उन्होंने लीज शर्तों के उल्लंघन करने का आरोप लगाया। इसे लेकर कांग्रेस नेता ने सोमवार को मीडिया से भी चर्चा की। आइए आपको बताते हैं कांग्रेस ने सीएम से किस मामले में और क्या शिकायत की है...

शिकायत करने वाले कांग्रेस नेता है म.प्र कांग्रेस कमेटी के पूर्व प्रदेश सचिव राकेश सिंह यादव। उनका आरोप है कि बास्केट बॉल ट्रस्ट के कर्ताधर्ताओं ने कॉम्प्लेक्स को कमाई का जरिया बनाकर उसकी हालत खराब कर दी है। उन्होंने बताया पूर्व के एक ट्रस्ट अध्यक्ष को कॉम्प्लेक्स का व्यावसायिक उपयोग करने के मामले में पेनल्टी भरने का नोटिस दिया था। उन्होंने एक आदेश का हवाला देकर कहा कि जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करके स्पष्ट किया गया था कि किसी भी परिस्थिति में बास्केट बॉल ट्रस्ट को कॉम्प्लेक्स में किसी भी तरह के व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति नहीं रहेगी। सिर्फ अभय प्रशाल को ही व्यावसायिक गतिविधि की अनुमति है, लेकिन आदेश को दरकिनार कर व्यावसायिक करण करके सरकार को चूना लगाया जा रहा है। वर्तमान में भी यहां एक रेस्टोरेंट के अवैध तरीके से देने का आरोप कांग्रेस नेता ने लगाया है। साथ ही कहा है कि इसकी वजह से कॉम्प्लेक्स के इमरजेंसी गेट भी बंद हो गए हैं। उनका आरोप है कि कॉम्प्लेक्स की ऐसी दुर्दशा की है कि यहां प्रतियोगिता में भाग लेने आई टीमों को बाहर होटल या स्कूलों में रुकने का इंतजाम करना पड़ रहा है।

गार्डन सा तैयार शहर

हरियाली के लिए... आंध्रप्रदेश, कर्नाटक व पुणे से मंगवाए 1 लाख पौधे, दो से ढाई करोड़ तक खर्च

प्रवासी भारतीय सम्मेलन से पहले शहर को गार्डन सा तैयार किया जा रहा है। एयरपोर्ट से बीसीसी तक 11 किलोमीटर में 62 प्रजाति के 12 हजार पौधे लगाए गए हैं। इनमें 10 हजार के पॉम से लेकर 50 रुपए का गेंदा भी शामिल है। आंध्रप्रदेश, कर्नाटक व पुणे से एक लाख पौधे मंगवाए गए हैं। इन पर दो से ढाई करोड़ रुपए खर्च हुए हैं।

पेड़-पौधे लगाने का काम नगर निगम और आईडीए द्वारा किया जा रहा है। समिट के बाद पॉम, फाइकस, पीला बांस, कदम्ब जैसे पौधे तो लहलहाते दिखेंगे ही, लेकिन कुछ पौधे ऐसे भी हैं, जिनकी उम्र सिर्फ तीन से चार महीने है। एयरपोर्ट से बापट, कन्वेंशन सेंटर, एबी रोड, रीगल चौराहा सहित कई प्रमुख सड़कों पर आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और पुणे से मंगवाए पौधे लगाए जा रहे हैं।

एयरपोर्ट के सामने पॉम, फाइकस जैसे महंगे पौधे

पॉम और फाइकस महंगे पौधों में शामिल हैं। इनकी कीमत 5 से 10 हजार रुपए तक है। एयरपोर्ट से बाहर निकलते ही 10-10 फीट के पॉम नजर आएंगे। वहीं सालभर में तिल-तिल बढ़ने वाला फाइकस भी एयरपोर्ट के आंगन में जगह-जगह नजर आएगा। ये हमेशा लोगों की नजर में रहेंगे।

खुशबू से महका पार्किंग के पास का बगीचा

एयरपोर्ट के ठीक सामने पार्किंग के पास बगीचे में सेवंती और गुलाबों की विभिन्न प्रजाति लगाई है। इनमें देशी और विदेशी गुलाब भी शामिल है। बीच-बीच में डेहलिया के पीले फूल भी खिलते दिखेंगे। पौधे ऐसे लगाए हैं कि जिनमें कली भी आने लगी है।

देखभाल के साथ दिया है पौधारोपण का कॉन्ट्रैक्ट

आईडीए चेयरमैन जयपाल सिंह चावड़ा के मुताबिक प्रवासी सम्मेलन, समिट को ध्यान में रखकर पौधे नहीं लगाए हैं। पौधे लगाने के बाद 5 साल तक रखरखाव कॉन्ट्रैक्टर द्वारा किया जाएगा। अफसर समय-समय पर पौधों की जांच करने जाएंगे। खराब पौधों को बदला भी जाएगा।

सबसे ज्यादा 18 प्रजातियों के पौधे

सेवंती, रोज मिक्स, डेहलिया, गोल्डन साइप्रस, ग्रीन साइप्रस, येलो बेम्बू, एरिका पॉम, फाइकस, सदा सुहागन, मिश्रित बोगन बेलिया, टिकोमा मिक्स, कनेर, गेंदा, जरबेरा, गोल्डन बॉटल ब्रश, गोल्डन बेम्बू, फाइकस डोम, मिनी एरिका प्रजाति के पौधे लगाए हैं।

इनवायरमेंट फ्रेंडली भी

आंध्रप्रदेश की नर्सरीज से नगर निगम ने डेकोरेटिव पौधे मंगवाए गए हैं। इनमें रेड मशेरा, गोल्डन पेंथाना, वाशिंगटोनिया पॉम, टरमेनिलिया, गोल्डन थूजा, बीस मार्गिया पॉम, फॉक्सटेल पॉम, एरिका पॉक, बॉक्स वुड आदि करीब 40 हजार पौधे मंगवाए हैं। इनमें रेडमशेरा, एरिका पॉम इनवायरमेंट फ्रेंडली है। यह हवा को शुद्ध करता है।

50 हजार फूल वाले पौधे

पुणे से डेंथस, कजेनिया, मिटुनिया, प्लम्बिगो, गार्लिक लिली, मिनी एरिक्टा, फाइकस स्टारलाइट आदि फ्लॉवर वाले छोटे पौधे भी लाए जा रहे हैं।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)